

# शामली जागरण

ई-पत्रिका



01-11-2017 To 30-11-2017

**Volume-17**

# शामली जागरण

## परिचय

### स्थापना / वर्तमान बोर्ड गठन:—

यह निकाय 01 अगस्त 1949 से नगर पालिका घोषित की गयी थी। 01 अप्रैल 1954 से चतुर्थ श्रेणी, अक्टूबर 1959 से तृतीय श्रेणी तथा 01 अप्रैल, 1963 से द्वितीय श्रेणी में है। नगर पालिका परिषद शामली का क्षेत्रफल 26.23 वर्ग कि०मी० है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार नगर की जनसंख्या 1,07,233 है। वर्तमान में बोर्ड का गठन 19 जुलाई 2012 में हुआ है। श्री अरविन्द संगल अध्यक्ष एवं 25 सदस्य निर्वाचित हुए। शासन द्वारा 05 सदस्य नामित हैं तथा श्रेणीय विधायक एवं सांसद नगर पालिका के पदेन सदस्य हैं।

# शामली जागरण

## पार्क में महापुरुषों की मूर्तियाँ



## शामली जागरण

श्री लालचन्द्र भारती  
( अधिशाषी अधिकारी )

नगर पालिका परिषद, शामली नवम्बर 2017 के ई-पत्रिका शामली जागरण में स्वागत है | नवम्बर माह में हुये विकास कार्यों को ई-पत्रिका शामली जागरण के माध्यम से आपसब तक पहुँचाना चाहते हैं | शामली नगर पालिका प्रत्येक माह ई-पत्रिका शामली जागरण के द्वारा नगर पालिका में हुये विकास कार्यों को आपसब के सामने लाने का प्रयास करता है | जिससे शामली नगर पालिका परिषद के विकास और नई योजनाओं से लाभान्वित हो सके | नगर पालिका परिषद शामली का एक मात्र उद्देश्य नगर पालिका का विकास है | जिसमे बिना किसी भेद-भाव, सभी समुदायों के लोगो को एकसाथ लेकर आगे बढने का उद्देश्य है | जिसके लिए नगर पालिका परिषद के निवासियों को इसमें सहयोग महत्वपूर्ण है | और नगर पालिका इसका उम्मीद करता है | नगरवासियों से अपील है की नगर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने में नगर पालिका की मदद करे | अपने आस-पास साफ-सुथरा रखे | कूड़ा-कचरा डस्टबिन में रखे,गन्दगी न फैलाये | आने वाले कल अच्छा हो इसके लिये आज बेहतर बनायें |



## शामली जागरण



**Mr. Lal Chand Bharati**  
(Executive Officer)

I am happy to present the November 2017 issue to all of you. A number of projects have been commissioned in the month of November. The former will help smoothen the flow of traffic, reduce the travel time of citizens, ease the congestion and reduce pollution on nagar road. There have been a lot of lessons to learned and these insights will certainly stand in good stead with us in our endeavors in future. The one thing that stands out is the most active participation of citizens. We, the residence of the Nagar Palika Parishad Shamli respective of ages, castes, creeds, religions, localities have untidily participated in creation of Shamli's Swachh Nagar Palika Parishad proposal. As I look into the future with great expectation, it is this one aspect of the municipality which gives me the greatest hope. We in the Nagar Palika Parishad Shamli, would be very happy to receive your feedbacks on all matters that you feel are important.



## शामली जागरण

I am delighted to present the tasks and issue of Shamli Nagar Palika by E-Patrika Shamli Jagaran in November 2017. Nagar Palika Parishad Shamli is grateful to the citizens who displayed tremendous enthusiasm and whole heartedly participated in numerous activities throughout this period. All of us should bear in mind that this is not end but a beginning of the exercise pertaining to development and Swachh Mission program. The coming years will surely be very hectic and eventful. Shamli promises to leave no room for complacency and will work even harder to achieve the targets. We solicit active participation from the citizens in our endeavor. We sincerely believe that decisions taken by Nagar Palika Parishad Shamli should benefit Nagar Palika Parishad Shamli and the citizens in the ultimate analysis. Many projects process in work in Nagar Palika Parishad Shamli for development our Nagar Palika and citizens. Thanks to all citizens of Nagar Palika Parishad Shamli for supporting to develop Shamli.



# गुरु नानक जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ !

श्री गुरु नानक देव जी का जन्म 15 अप्रैल, 1469 में गाँव तलवंडी, शेइखुपुरा डिस्ट्रिक्ट में हुआ जो की लाहौर पाकिस्तान से 65 KM पश्चिम में स्थित है। उनके पिता बाबा कालूचंद्र बेदी और माता त्रिपता ने उनका नाम नानक रखा। उनके पिता गाँव में स्थानीय राजस्व प्रशासन के अधिकारी थे। अपने बाल्य काल में श्री गुरु नानक जी ने कई प्रादेशिक भाषाएँ सिखा जैसे फारसी और अरबी। उनका विवाह वर्ष 1487 में हुआ और उनके दो पुत्र भी हुए एक वर्ष 1491 में और दूसरा 1496 में हुआ। वर्ष 1485 में अपने भैया और भाभी के कहने पर उन्होंने दौलत खान लोधी के स्टोर में अधिकारी के रूप में निकुक्ति ली जो की सुल्तानपुर में मुसलमानों का शासक था। वही पर उनकी मुलाकात एक मुस्लिम कवी के साथ हुई जिसका नाम था मिरासी। वर्ष 1496 में उन्होंने अपना पहला भविष्यवाणी किया - जिसमें उन्होंने कहा कि "कोई भी हिन्दू नहीं और ना ही कोई मुस्लमान है" और कहा कि यह एक महत्वपूर्ण घोषणा है जो ना सिर्फ आदमी के भाईचारा और परमेश्वर के पितृत्व की घोषणा है, बल्कि यह भी स्पष्ट है की मनुष्य की प्राथमिक रुचि किसी भी प्रकार के अध्यात्मिक सिधांत में नहीं है, वह तो मनुष्य और उसके किस्मत में हैं। इसका मतलब है अपने पड़ोसी से अपने जितना प्यार करो। गुरु नानक जी ने अपने मिशन की शुरुवात मरदाना के साथ मिल के किया। अपने इस सन्देश के साथ साथ उन्होंने कमज़ोर लोगों के मदद के लिए ज़ोरदार प्रचार किया उन्होंने अपने सिद्धांतों और नियमों के प्रचार के लिए अपने घर तक को छोड़ दिया और एक सन्यासी के रूप में रहने लगे। उन्होंने हिन्दू और मुस्लमान दोनों धर्मों के विचारों को सम्मिलित करके एक नए धर्म की स्थापना की जो बाद में सिख धर्म के नाम से जाना गया। भारत में अपने ज्ञान के प्रसार के लिए कई हिन्दू और मुस्लिम धर्म की जगहों का भ्रमण किया। पुरे भारत में अपने ज्ञान को बाँटने के पश्चात उन्होंने मक्का मदीना की भी यात्रा की और वहां भी लोग उनके विचारों और बातों से अत्यंत प्रभावित हुए। जिस जगह पर गुरु नानक जी ने उन गरीब और संत व्यक्तियों को भोजन खिलाया था वहां सच्चा सौदा नाम का गुरुद्वारा बनाया गया है। आखिर में अपनी 25 वर्ष की यात्रा के बाद श्री गुरु नानक देव जी करतारपुर, पंजाब के एक गाँव में किसान के रूप में रहने लगे और बाद में उनकी मृत्यु भी वही हुई। भाई गुरुदास जिनका जन्म गुरु नानक के मृत्यु के 12 वर्ष बाद हुआ बचपन से ही सिख मिशन से जुड़ गए। उन्हें सिख गुरुओं का प्रमुख चुना गया। उन्होंने सिख समुदाय जगह-जगह पर बनाया और अपने बैठक के लिए सभा बनाया जिन्हें धरमशाला के नाम से जाना जाता है। आज के दिन में धरमशालाओं में सिख समुदाय गरीब लोगों के लिए खाना देता है।

**GURU NANAK  
JAYANTI  
KI HARDIK  
SHUBHKAMNAYE**

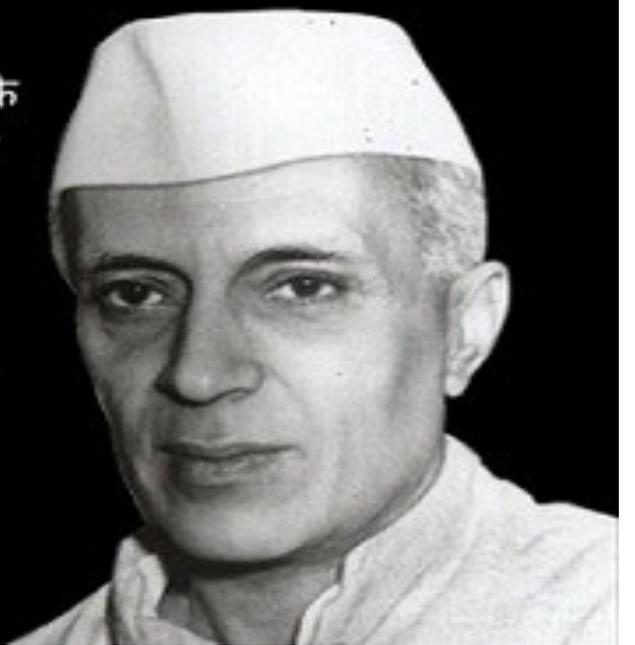


# बाल दिवस की हार्दिक बधाई !

पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहबाद में हुआ था। उनके जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। नेहरू जी का बच्चों से बड़ा स्नेह था और वे बच्चों को देश का भावी निर्माता मानते थे। बच्चों के प्रति उनके इस स्नेह भाव के कारण बच्चे भी उनसे बेहद लगाव और प्रेम रखते थे और उन्हें चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। यही कारण है कि नेहरू जी के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इसे नेहरू जयंती कहें या फिर बाल दिवस, यह दिन पूर्णतः बच्चों के लिए समर्पित है। इस दिन विशेष रूप से बच्चों के लिए कार्यक्रम एवं खेल-कूद से जुड़े आयोजन होते हैं। बच्चे देश का भविष्य हैं, वे ऐसे बीज के समान हैं जिन्हें दिया गया पोषण उनके विकास और गुणवत्ता निर्धारित करेगा। यही कारण है कि इस दिन बच्चों से जुड़े विभिन्न मुद्दों जैसे शिक्षा, संस्कार, उनकी सेहत, मानसिक और शारीरिक विकास हेतु जरूरी विषयों पर विचार विमर्श किया जाता है। कई स्कूलों व संस्थानों में बाल मेला एवं प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं, ताकि बच्चों की क्षमता और प्रतिभा को और बढ़ावा मिले। इस दिन विशेष रूप से गरीब बच्चों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने एवं बाल श्रम एवं बाल शोषण जैसे गंभीर मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया जाता है। बच्चे नाजुक मन के होते हैं और हर छोटी चीज या बात उनके दिमाग पर असर डालती है। उनका आज, देश के आने वाले कल के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए उनके क्रियाकलापों, उन्हें दिए जाने वाले ज्ञान और संस्कारों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही बच्चों की मानसिक और शारीरिक सेहत का ख्याल रखना भी बेहद जरूरी है। बच्चों को सही शिक्षा, पोषण, संस्कार मिले यह देशहित के लिए बेहद अहम है, क्योंकि आज के बच्चे ही कल का भविष्य है।

अगर आप  
दुनिया भर के अलग-अलग जाति, धर्म और रंग-रूप के  
बच्चों को एक साथ ले आएंगे तो साथ खेलेंगे या शोर  
मचाएंगे,  
उनका शोर मचाना भी एक तरह का खेल है. बच्चे  
आपस में भेदभाव नहीं करते.  
-जवाहर लाल नेहरू





# स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत खुले में शौच से मुक्ति के सम्बन्ध में जागरूकता हेतु एक मार्मिक अपील

जागो युवा जागो स्वच्छ भारत है तुम्हारा अधिकार लेकिन पहले उठाओं पहले कर्तव्य का भार

\*\*\*\*\*

जब होगी हर डगर, हर गली साफ |  
तो ही पूरी होगी स्वच्छ भारत की आस ॥

\*\*\*\*\*

हर गाँव हर शहर होगा जब साफ |  
तभी हो पाएगा देश का सही विकास ॥

\*\*\*\*\*

स्वच्छ भारत अभियान है एक आस |  
ताकि हो भारत देश का सम्पूर्ण विकास ॥

\*\*\*\*\*

स्वच्छता ही है एक मात्र उपाए |  
जो सभी को हमेशा स्वस्थ बनाए ॥

\*\*\*\*\*

स्वच्छता है महा अभियान |

स्वच्छता मे दीजिए अपना योगदान ॥

\*\*\*\*\*

हाथ से हाथ मिलाना है  
गंदगी नहीं फैलाना है  
स्वच्छता को अपनाना है

\*\*\*\*\*

स्वच्छ भारत मिशन शामिली

श्री लालचन्द्र भारती  
(अधिकाारी अधिकाारी)

( अध्यक्ष )

Contact Us



: [www.fageosystems.in](http://www.fageosystems.in)



: [info@fageosystems.in](mailto:info@fageosystems.in)

**Tel/Fax** : 01204349756